कुल प्रश्नों की संख्या : 13] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

XIY-202010

विषय : हिन्दी (N-001)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश - (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों पर आबंटित अंक उनके सामने अंकित किए गए हैं।

(iii) प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। खण्ड-(क), (ख), (ग)।

- खण्ड-(क) : अपठित गद्यांश एवं अपठित पद्यांश से सम्बन्धित है। (16)
- खण्ड-(ख) : प्र० क्र०-3 में निबंध लेखन है, जिसमें 08 अंक निर्धारित हैं। (08)

  प्र० क्र०-4 पत्र लेखन है। इसमें 05 अंक रखे गए हैं। (05)

  प्र० क्र०-5 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिसमें 04 अंक हैं। (04)

  प्र० क्र०-6 फीचर रिपोर्ट एवं आलेख लेखन से सम्बन्धित है। इसमें 03 अंक निर्धारित हैं। (03)

- खण्ड-(ग) : प्र० क्र०-7 (1) आरोह भाग 1 से काव्यांश एवं गद्यांश पर आधारित प्रश्न हैं।

  प्र० क्र०-8, 9, 10 एवं 11 कुल अंक 32 (32)

  (II) वितान भाग 1

  प्र० क्र०-12 एवं 13 में विषय-वस्तु एवं निबंधात्मक प्रश्न हैं। कुल अंक 12 (12)

  4 अंक के प्रश्नों पर विकल्प रखे गए हैं।

https://www.cgboardonline.com

खण्ड-(क)

प्रश्न-1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को सम्यक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

"भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया है, उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक गुण स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत बुरा आचरण है। भारतवर्ष ने कभी भी उन्हें उचित नहीं माना, उन्हें सदा संयम के बंधन से बांधकर रखने का प्रयत्न किया है। परंतु भूख भी उपेक्षा नहीं की जा सकती, गुमराह को ठीक रास्ते पर ले जाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

हुआ यह है कि इस देश के कोटि-कोटि दरिद्रजनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए ऐसे अनेक कानून-कायदे बनाए गए हैं, जो व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हैं, परन्तु जिन लोगों को यह जिम्मेदारी मिली है, प्राय: वे ही लक्ष्य को भूल जाते हैं और अपनी सुख-सुविधा की ओर ज्यादा ध्यान देने लगते हैं।"

(क) भारतवर्ष ने किसे अधिक महत्व नहीं दिया है? **(2)**

(ख) भारतवर्ष ने किसे चरम और परम माना है? **(2)**

(ग) मनुष्य में स्वाभाविक रूप से क्या विद्यमान रहते हैं? **(2)**

(घ) भारतवर्ष ने किसे संयम के बंधन से बांधकर रखने का प्रयत्न किया है? **(2)**

(ङ) दरिद्रजनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए क्या बनाए गए हैं? **(1)**

(च) जिन्हें व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी मिली है, वे प्राय: क्या करते हैं? **(1)**

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न-2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को सम्यक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1×6=6)

''है बहुत अँधियार अब सूरज निकलना चाहिए।
जिस तरह से भी हो ये मौसम बदलना चाहिए।।
रोज़ जो चेहरे बदलते हैं लिबासों की तरह,
अब जनाज़ा ज़ोर से उनका निकलना चाहिए।।
अब भी कुछ लोगों ने बेची है न अपनी आत्मा,
ये पतन का सिलसिला कुछ और चलना चाहिए।।
फूल बनकर जो जिया वो यहाँ मसला गया,
जीस्त को फौलाद के सांचे में ढलना चाहिए।।
छीनता हो जब तुम्हारा हक कोई उस वक्त तो,
आँख से आँसू नहीं, शोला निकलना चाहिए।।

(क) सूरज क्यों निकलना चाहिए?

(ख) किनका जनाजा निकलना चाहिए?

(ग) आत्मा बेचने का तात्पर्य क्या है?

(घ) लोहे का पर्यायवाची जो इस पद्यांश में आया है- लिखें।

(ङ) कौन मसला गया है?

(च) कोई तुम्हारा हक छीने तो क्या करना चाहिए?

खण्ड-(ख)

प्रश्न-3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250-300 शब्दों में निबंध लिखिए- **(8)**

(i) छत्तीसगढ़ राज्य और किसान

(ii) मोबाइल-वरदान या अभिशाप

(iii) भ्रष्टाचार : एक समस्या

https://www.cgboardonline.com

(iv) अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत

(v) मेरे प्रिय साहित्यकार

प्रश्न-4. आप अपनी कक्षा के पाँच अन्य साथियों के साथ अमरकण्टक जाना चाहते हैं, अपने प्राचार्य से अनुमति एवं छुट्टी की मांग करते हुए पत्र लिखिए। **(5×1=5)**

अथवा

आपका नाम दीक्षा है। आप दैनिक-समाचार पत्र **हरिभूमि** के संपादक को एक पत्र लिखिए, जिसमें महिलाओं के प्रति बढ़ती हुई अपराध प्रवृत्ति की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया गया हो।

प्रश्न-5. (क) संचार किसे कहते हैं? **(1×4=4)**

(ख) समूह संचार से क्या आशय है?

(ग) अंतर-वैयक्तिक संचार से क्या आशय है?

(घ) जनसंचार का सबसे पहला-महत्वपूर्ण तथा सार्वजनिक विस्तृत माध्यम कौन-सा है?

प्रश्न-6. एक अच्छे आलेख में कौन-कौन से गुण होते हैं? किन्हीं तीन गुणों को लिखिए। **(3×1=3)**

अथवा

अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव पर एक प्रतिवेदन तैयार कर लिखिए।

खण्ड-(ग)

प्रश्न-7. **निम्नलिखित काव्यांश को सम्यक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **(2×3=6)**

"बिका दिया घर द्वार,
महाजन ने न ब्याज की कौड़ी छोड़ी,
रह-रह आँखों में चुभती वह
कुर्क हुई बरधों की जोड़ी!
उजरी उसके सिवा किसे कब
पास दुहानों आने देती?
अह, आँखों में नाचा करती
उजड़ गई जो सुख की खेती!

https://www.cgboardonline.com

(I) किसान का घर-बार क्यों बिक गया?

(II) उजरी (धेनु) को किसान को क्यों बेचना पड़ा?

(III) किसान की आँखों में क्या चुभता रहता है?

अथवा

''किन्तु उनसे यह न कहना,

उन्हें देते धीर रहना,

उन्हें कहना लिख रहा हूँ,

उन्हें कहना पढ़ रहा हूँ,

काम करता हूँ कि कहना,

नाम करता हूँ कि कहना,

चाहते हैं लोग कहना,

मत करो कुछ शोक कहना।

(i) कवि किससे, किसको धीर देने की बात करता है?

(ii) कवि अपने बारे में क्या-क्या कहने की बात कहता है?

(iii) कवि के कार्य की लोगों में कैसी प्रतिक्रिया रही है?

प्रश्न-8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके सौंदर्य बोध संबंधित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2×3=6)

''चंपा अच्छी है।

चंचल है

नटखट भी है

कभी-कभी ऊधम करती है

कभी-कभी वह कलम चुरा देती है

https://www.cgboardonline.com

जैसे-तैसे उसे ढूंढकर जब लाता हूँ

पाता हूँ- अब कागज़ गायब

परेशान फिर हो जाता हूँ

चंपा कहती है:

तुम कागद ही गोदा करते हो दिन भर

क्या यह काम बहुत अच्छा है

यह सुनकर मैं हँस देता हूँ

फिर चंपा चुप हो जाती है।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ii) चंपा की सरलता को अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) पद्यांश में प्रयुक्त अलंकार व छंद का नाम लिखिए।

प्रश्न-9. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **(2×2=4)**

(i) कबीर के अनुसार लोग सच्ची बातों से दूर क्यों भागते हैं? तथा झूठी बातों पर विश्वास क्यों करते हैं?

(ii) लोग मीरा को बावरी क्यों कहते हैं?

(iii) "यहाँ दरवाज़ों के साये में धूप लगती है।" से कवि का क्या आशय है?

प्रश्न-10. निम्नलिखित पद्यांश को सम्यक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

"पंडित अलोपीदीन ने हँसकर कहा-हम सरकारी हुक्म को नहीं जानते और न सरकार को। हमारे सरकार तो आप ही हैं। हमारा और आपका तो घर का मामला है, हम कभी आपसे बाहर हो सकते हैं? आपने व्यर्थ का कष्ट उठाया। यह हो नहीं सकता कि इधर से जाएँ और इस घाट के देवता को भेंट न चढ़ावें। मैं तो आपकी सेवा में स्वयं ही आ रहा था। वंशीधर पर ऐश्वर्य की मोहिनी वंशी का कुछ प्रभाव न पड़ा। ईमानदारी की नयी उमंग

https://www.cgboardonline.com

थी। कड़ककर बोले- हम उन नमकहरामों में नहीं हैं, जो कौड़ियों पर अपना ईमान बेचते फिरते हैं। आप इस समय हिरासत में हैं। आपका कायदे के अनुसार चालाना होगा। बस, मुझे अधिक बातों की फुरसत नहीं है। जमादार बलदू सिंह। तुम इन्हें हिरासत में ले चलो, मैं हुक्म देता हूँ।

(i) "हमारा और आपका तो घर का मामला है।" इस कथन का भावार्थ स्पष्ट करते हुए बताएँ कि पंडित अलोपीदीन ने ऐसा क्यों कहा? **(2)**

(ii) वंशीधर पर ऐश्वर्य की मोहिनी वंशी का कुछ प्रभाव क्यों नहीं पड़ा? **(2)**

(iii) वंशीधर ने पंडित अलोपीदीन को हिरासत में लेने का हुक्म क्यों दिया? **(2)**

(iv) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक कौन हैं? **(½+½=1)**

प्रश्न-11. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **(3×3=9)**

(क) आजादी के पहले भारत निर्माण को लेकर नेहरू के क्या सपने थे? क्या आजादी के बाद वे साकार हुए?

(ख) अध्यापक ने गणित में अच्छे अंक प्राप्त करने पर भी ट्यूशन के लिए क्यों कहा? https://www.cgboardonline.com

(ग) लार्ड कर्जन के पतन के क्या कारण थे?

(घ) गाँव और शहर दोनों जगहों पर चलने वाले मोहन के जीवन संघर्ष में क्या फर्क है?

प्रश्न-12. शास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत में क्या अंतर है? **(4)**

अथवा

कला और भाषा के अंतर्संबंध पर अपनी राय स्पष्ट कर लिखिए।

प्रश्न-13. (क) बेबी की जिन्दगी में तातुश का परिवार न आया होता तो उसका जीवन कैसा होता? कल्पना करें और लिखें। **(4)**

https://www.cgboardonline.com

अथवा

कल्पना कीजिए कि आप जिस समाज में रह रहे हैं, उसमें नशाखोरी और जुए की कुप्रथा व्याप्त है। आप उस समस्या के निदान के लिए क्या कदम उठाएँगे? लिखिए।

(ख) बेजुबान शब्द का प्रयोग लेखक ने किसके लिए किया है? एवं क्यों किया है? लिखिए। **(4)**

अथवा

दिनों-दिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने में पाठ- **'राजस्थान की रजत बूंदे'** आपकी कैसे मदद कर सकती हैं? देश के अन्य राज्यों में इसके लिए क्या उपाय हो रहे हैं? लिखिए।

https://www.cgboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.cgboardonline.com